MAEC

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) उपाधि कार्यक्रम
(MAEC)

सत्रीय कार्य 2025–2026
द्वितीय सेमेस्टर
(जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्र हेतु)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

एम.ए. (अर्थशास्त्र) द्वितीय सेमेस्टर
'सत्रीय कार्य 2025–2026

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमएईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30: है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40: अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपने बनाई है।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

1) जुलाई 2026 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2026 है।

2) जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 है।

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। अध्ययन केंद्र द्वारा आपको मिले अंक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे ंदिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतीकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ!

पाठ्यक्रम संयोजक

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

एम.ई.सी.–109 : अर्थशास्त्र में अनुसंधान विधियाँ
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–109
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-109/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2025-26
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. परिमाणात्मक तथा गुणात्मक शोध में अंतर अवधारणात्मक नामिता की अपेक्षा सामाजिक जाँच से संबंधित दृष्टिकोण में निहित है''–इस कथन के आलोक में शोध प्रक्रिया में सम्मिलित विभिन्न चरणों को बताते हुए गुणात्मक शोध हेतु शोध प्रस्ताव तैयार करें।

2. वैज्ञानिक दृष्टिकोण से आप क्या समझते हैं? उदाहरण सहित वैज्ञानिक विश्लेषण के विविध प्रतिमानों की व्याख्या करें। क्या आप ऐसा मानते हैं कि वैज्ञानिक विश्लेषण के ये रूप गैर भौतिक विज्ञान विषयों पर भी लागू किये जा सकते है? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दें।

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है। परिमाणात्मक प्रश्नों पर शब्द सीमा लागू नहीं होती।

1. एकल विधि शोध तथा मिश्रित विधि शोध में अंतर बतायें। किन स्थितियों में अनुसंधान करने हेतु आप मिश्रित विधि का प्रयोग करेंगे? उदाहरण दें।

2. (i) प्रतीपगमन प्रतिमान के विविध रूपों की बतायें।

   (ii) नीचे एक तटस्थता वक्र का समीकरण इस प्रकार दिया गया है:

$$X_i Y_i = \beta_1 + \beta_2 X_i$$

   निम्नलिखित आँकड़ों से आप इस मोडल के प्राचलों (parameters)का अनुमान (estimation)किस प्रकार करोगे:

X वस्तु का उपभोग	**1**	**2**	**3**	**4**	**5**
Y वस्तु का उपभोग	4	3.5	2.8	1.9	0.8

3. असमानता के सापेक्ष एवं निरपेक्ष मापकों के बीच अंतर बतायें। आय की असमानताओं के मापन के रूप में गिनी अनुपात की संगणनात्मक विधि की व्याख्या करें।

4. भारतीय अर्थव्यवस्था के निष्पादन के मूल्यांकन हेतु किस प्रकार के आँकड़ों की आवश्यकता होती है? इस प्रकार के विभिन्न आँकड़ों के स्रोत क्या हैं?

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखें
   (i) अधिकतम संभाविता आकलक
   (ii) प्रमाणिक सह संबंध
   (iii) स्नोबॉल प्रतिचयन
   (iv) विषय–वस्तु विश्लेषण